शिक्षा में उदारीकरण :- Liberalization of Education.

उदारीकरण से तात्पर्य भारत में कुछ निश्चित सुधारों एवं नीतियों में शिथिलता प्रदान करने से है। मूलरूप से उदारीकरण का प्रत्यय आर्थिक उदारीकरण के सन्दर्भ में प्रयुक्त होता है। चूंकि भारत आर्थिक रूप से उदार होते हुए भी यहां की शिक्षा प्रणाली उदार नहीं है। इसके कई कारण हैं, जिनमें से एक कारण यह है कि राष्ट्रीय शिक्षा उद्यम प्रतियोगिता नहीं चाहता है। सरकार स्वयं से पूर्ण नियंत्रण रखना चाहती है। भारत में उच्च शिक्षा प्रणाली सम्बद्धता के फन्दे तले व स्वायत्तता के अभाव से ग्रस्त है। इसमें लचीलेपन का अभाव है। उच्च शिक्षा की वास्तविक कमजोरी इसके संगठनात्मक ढाँचे में ही है, और इसलिए अन्तर्दर्शी व प्रत्यक्षीकरण की भी आवश्यकता पड़ती है। जनता की दृष्टिकोण भी शार्टकट अपनाने व आसानी से गुणवत्ता युक्त प्रबंधन के बजाय केवल प्रणाली का विस्तार करने से है। आज की विश्वविद्यालय व्यवस्था की आधारभूत समस्या

Notes

इच्छुक लोगों तक उच्च शिक्षा का लाभ न पहुँचा पाना है।

उदारीकरण के सन्दर्भ में भारत मे शिक्षा नीति (2009) के अनुसार भारत मे शैक्षणिक संस्थान केवल ट्रस्टों, सोसाइटियों व चेरीटेबल कंपनियों द्वारा ही खोले जा सकते हैं, परन्तु इससे प्राप्त होने वाले लाभ को पुनर्निर्धारित किया जाना चाहिए. हालांकि सरकार विश्वविद्यालयों द्वारा भारत मे कैंपस स्थापित करने के सन्दर्भ में कोई परिभाषा या स्पष्टीकरण नहीं देती है। इच्छुक समूह भी इस दिशा में आगे से कतराते हैं। यद्यपि विदेशी शैक्षिक संस्थानों को भारत में प्रमाणित डिग्री देने की अनुमति दी गई है। शिक्षा विभाग ने लगभग 150 विदेशी संस्थानों को एक निश्चित व्यवस्था के तहत अनुमति दे दी है, कि कोर्स का एक अंश भारत मे किया जा सकेगा तथा शेष विदेश में किया जा सकता है। विदेशी महाविद्यालयों के पास उचित अनुभव व वांछित योग्यता होती है, जिससे वे शीघ्र ही नये भविष्य के अनुसन्धानकर्ताओं व अध्यापकों के लिए प्रशिक्षण शुरू से कराते हैं।

Notes

शिक्षा में उदारीकरण के सकारात्मक प्रभाव

Possitive impact of liberalization

(1) उदारीकरण द्वारा देश की वित्तीय व्यवस्था में सुधार होगा। जिसमें अनुसंधान, उदारीकरण निजीकरण, व वैश्वीकरण के युग मे विद्यालयों का बदला स्वरूप छात्रों के प्रति भविष्य के के लिए यह सुखद परिणाम देगा।

(2) इससे शिक्षकों की प्रति सेवाओं व शैक्षणिक संस्थाओं की आपसी प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करेगी कि वे शिक्षा पर अधिक अधिकार नही लेंगे। शिक्षा के साधनों की प्रति में ही स्वतः शिक्षा के खर्चों की कमी लायेगी।

(3) भारतीय अर्थव्यवस्था जिसे मुख्यतः सेवा आधारित उद्योग में सशक्त किया ~~जा सकता~~ गया है। शिक्षा में उदारीकरण द्वारा तेजी से आर्थिक स्त्रोत प्राप्त होंगे।

(4) सैकड़ो व हजारों भारतीय छात्र जो विदेशों में लगभग प्रतिवर्ष 5-10 % लाख रुपये खर्च करते हैं, व हजारों की संख्या में विदेश जाकर बस जाते हैं. इससे यहाँ मानव पूंजी की बचत होती है।

(5) कारपोरेट जगत को मान्यता मिल जाने से अच्छे उद्योगों पर आधारित व विदेशी कौशलों से

Notes

युक्त स्नातकों का विकास सुनिश्चित होगा।

(6) शिक्षित जनसंख्या में वृद्धि से तकनीकी व संचार सुविधाओं में तीव्र वृद्धि होगी, इससे समाज की औद्योगीकरण आधारित दिशा की सूचना आधारित समाज की तरफ हस्तांतरण होगा।

शिक्षा में उदारीकरण के नकारात्मक प्रभाव
Negative Impact of Liberalization

(1) शिक्षा के क्षेत्र में मूल्य आधारित शिक्षा का प्रभाव नगण्य हो जाने की सम्भावना।

(2) शिक्षा की गुणवत्ता का स्तर गिर जायेगा क्योंकि हर व्यक्ति पैसे व पहुँच के बल पर शिक्षा प्राप्त करने के अवसर प्राप्त कर लेगा।

(3) प्रतिभावान छात्रों की प्रतिभा का सदुपयोग सम्भव नहीं हो सकेगा, क्योंकि उनके प्रतिस्पर्धा में ऐसे छात्र अवसर पा जायेंगे जिन्होंने पैसे व पहुँच के बल पर ऊँची डिग्रीयाँ प्राप्त कर लेते है।

(4) उदारीकरण द्वारा कुछ ऐसे झूठे संस्थानों

Notes

का भी स्वतन्त्र बना रहता है, जो केवल मौका पाते ही अपनी जेब भरने को तैयार रहते हैं।